आंदोलनों में फासीवादी नैरेटिव्स का मुकाबला करना: प्रयोग करके सीखना।

सह-लेखक एवं सुविधाप्रदाता: एलेहांद्रा सारदा, फेन्न्या फ़िशलर
अनुवाद: एलेहांद्रा सारदा, नाटकल्लम

प्रकाशन तिथि: 2025
ग्लोबल नैरेटिव हाइव द्वारा आयोजित

इसमें भाग लेने वाले सभी संगठनों और FICS की पूरी टीम के
सहकार से, जिन्होंने अपनी गहरी समझ और सुझावों से इस रिपोर्ट को बेहतर बनाया है।

यह कार्य © 2025 ग्लोबल नैरेटिव हाइव द्वारा CC BY-NC-SA 4.0 के अंतर्गत लाइसेंस प्राप्त है

पृष्ठभूमि एवं संदर्भ

2022 में, सितंबर 2023 में सार्वजनिक रूप से लॉन्च होने से पहले, ग्लोबल नैरेटिव हाइव (तब इसे "नैरेटिव नेटवर्क इनिशिएटिव" नाम दिया गया था) ने "कॉमन कॉज़" अनुदान कार्यक्रम के तहत वित्तीय सहायता के प्रस्तावों के लिए वन-ऑफ़ कॉल प्रसारित किया था। यह कॉल आंदोलन के उन कर्ताओं के लिए थी जो हाइव को आकार देने और स्थापित करने में हमारे द्वारा की गई कई व्यक्तिगत और सामूहिक बातचीत में पहचाने गए मुख्य प्रश्नों के अपने स्वयं के उत्तरों की जांच करने और उसमें सुधार लाना चाहते थे। बार-बार, हमने बेहतर ढंग से समझने और प्रयोग करने की आवश्यकता सुनी है कि जब नैरेटिव परिवर्तन की बात आती है तो आंदोलनों और क्षेत्रों में "कॉमन कॉज़" को और अधिक प्रभावी ढंग से कैसे बनाया जाए, ताकि हम फासीवाद और मौलिक नैरेटिव्स का अधिक प्रभावी ढंग से विरोध कर सकें और एक अधिक न्यायपूर्ण दुनिया का निर्माण कर सकें। इस तरह के बुनियादी ढांचे के निर्माण से आंदोलनों को एकता विकसित करने और प्रभावशाली साझा नैरेटिव्स के निर्माण की और प्रसारित करने की अनुमति मिलेगी। हमने समूहों को प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया, जिनमें निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मांगे गए थे।

आंदोलनों के लिए:

- नैरेटिव्स से संबंधित एकसाथ मिलकर निर्माण करने और प्रयोग करने हेतु क्या आवश्यक है?
- एक साथ मिलकर सपने देखने और साझा दृष्टिकोण या मेटानैरेटिव के निर्माण के लिए क्या आवश्यक है?
- योजना बनाने में, कार्यनीतिक प्रक्रिया के लिए और भविष्य के लिए नैरेटिव्स विकसित करने के लिए क्या आवश्यक है?
- नैरेटिव्स पर अपने कार्य को समन्वित करने और/या अधिकार-विरोधी आख्यानों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने या रोकने के लिए क्या आवश्यक है?

"द कनेक्टिव" (हमारा आंदोलन संचालन-समूह) के सदस्यों के एक कार्य समूह के नेतृत्व में एक सामूहिक चयन प्रक्रिया के माध्यम से सहयोग के लिए कुल 9 अनुप्रयोगों का चयन किया गया था। इनमें निम्न शामिल हैं:

- हमारे अभिभावकों का सम्मान, स्थानीय आंदोलनों को केंद्रित करने वाली Whose Knowledge की एक परियोजना (इंस्टाग्राम: @whoseknowledge)
- अर्जेंटीना में LatFem (इंस्टाग्राम: @latfemnoticias)
- बोस्निया और हर्जेगोविना में Udruženje za kulturu, afirmaciju i savjetovanje ‘’KAS’’ Banja Luka
- ब्राजील में Rede Transfeminista de Cuidados Digitais (इंस्टाग्राम: @rtcuidadosdigitais)
- कनाडा और फ़्रैंकोफ़ोन अफ़्रीका में Égides (इंस्टाग्राम: @egidesalliance)
- कोलम्बिया में Mutante (इंस्टाग्राम: @mutanteorg)
- मेना (MENA, मध्य पूर्व और उत्तरी अफ़्रिका) क्षेत्र में मानवाधिकार और नागरिक सहभागिता के लिए HuMENA (इंस्टाग्राम: @humenaorg)

पावर डायनामिक्स का संचालन करना और वर्चुअल लर्निंग स्पेस का डिज़ाइन

हमने इस बात पर गहराई से विचार किया कि हम किस तरह से उन अनुदान प्राप्तकर्ता संगठनों के साथ जुड़ना, उनका समर्थन करना और उनसे सीखना चाहते हैं, जिन्हें हमने संसाधन दिए हैं। हम जानते थे कि वित्तपोषक/अनुदान प्राप्तकर्ता संबंधों में पावर डायनामिक्स शामिल है जिसे हमें संचालन करने की आवश्यकता होगी - विशेष रूप से यह ध्यान में रखते हुए कि यह एक बार का फंडिंग राउंड होगा और यह कि हम हाइव के लिए इससे आगे फंडर बने रहने की योजना नहीं बना रहे थे।

हम इस बात से अच्छी तरह परिचित थे कि अक्सर दानदाताओं की आवश्यकताओं, समय-सीमाओं और मांगों की रिपोर्ट करने से अनुदान प्राप्तकर्ता संगठनों पर भारी मात्रा में दबाव पड़ सकता है जिससे उनकी ऊर्जा, संसाधन और समय नष्ट हो जाता है और वे अपने काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते हैं। हमारा लक्ष्य रिपोर्टिंग को यथासंभव सरल रखना, उपलब्ध कराना और पारदर्शी रखना तथा उसे अधिकतम रूप से अनुकूलित बनाना था। हालांकि, हमने महसूस किया कि सर्वोत्तम इरादों के बावजूद वित्तपोषक/अनुदान प्राप्तकर्ता संबंधों में अंतर्निहित पावर संबंध निश्चित हैं और इन्हें निरंतर देखभाल, पारदर्शिता और स्व-विचार के साथ संचालित किया जाना चाहिए।

कॉमन कॉज़ अनुदान कार्यक्रम का उद्देश्य अंततः प्रयोग और सीखने का समर्थन करना था, इसलिए हम जानते थे कि दस्तावेज़ीकरण इस प्रक्रिया का आवश्यक हिस्सा होगा। साथ ही, हमको अपने सहभागी संगठनों पर व्यापक दस्तावेज़ीकरण और रिपोर्टिंग अनुरोधों द्वारा अतिरिक्त बोझ और मांगें न डालने के बारे में जागरूकता का एहसास हुआ था। शुरुआत में हमने कई भाषाओं में 10 संक्षिप्त विचार करने योग्य प्रश्नों का एक सेट तैयार किया, और अनुदान प्राप्तकर्ता संगठनों को प्रति प्रश्न पर एक या दो पैराग्राफ का लिखकर, वीडियो पर, कॉल पर या उनके लिए जो सुविधाजनक हों ऐसे अन्य प्रारूपों में जवाब देने के लिए कहा गया था। हमें जल्द ही एहसास हुआ कि इस सरल प्रारूप में भी एकतरफा रिपोर्टिंग डायनामिक अंतर्निहित है, जहां हमारे सहभागी संगठनों को एक-दूसरे के साथ सीधे जानकारी साझा करने के बजाय हमें वापस जानकारी साझा करने की आवश्यकता होगी। प्रयोग करने के विचार से, हमने वर्चुअल लर्निंग स्पेस डिज़ाइन करने का निर्णय लिया था, जहां समूहों के प्रतिनिधि सामूहिक रूप से एक-दूसरे के साथ अंतर्दृष्टि साझा कर सकें और सीख सकें। हमने रिपोर्टिंग के किसी अन्य रूप के विकल्प के रूप में इन लर्निंग स्पेस में से एक में शामिल होने का विकल्प पेश किया। अन्य अनुदान प्राप्तकर्ताओं के साथ वर्चुअल आदान-प्रदान में भाग लेने के बारे में यह रिपोर्ट थी । लगभग सभी साधन संपन्न समूहों ने इस विकल्प को चुनने का निर्णय लिया था और हमें इस प्रस्ताव पर सकारात्मक फीडबैक मिली थी।

जुलाई और सितंबर 2024 में, समर्थित नौ संगठनों में से आठ संगठन अपने द्वारा किए गए कार्यों पर विचार करने, अपने अनुभव और सीख साझा करने के लिए एक साथ मिले थे। यह दो 3 घंटे लंबे वर्चुअल सत्रों के माध्यम से हुआ था, जैसा कि नीचे बताया गया है: वर्चुअल लर्निंग स्पेस को समूहों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर इस बारे में डिज़ाइन किए गए थे कि वे एक-दूसरे से क्या सीखना चाहते थे और समूह के साथ वापस क्या साझा करना चाहते थे। उन्होंने कनेक्शन, गहन विचार, एक-दूसरे के संदर्भों से सीखने, क्या कामयाब किया, क्या विफल हुआ और आंदोलनों को बेहतर रूप से समर्थन देने और नैरेटिव बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए वित्तपोषक क्या कर सकते हैं पर चर्चा करने के लिए समय प्रदान किया। यह रिपोर्ट उसका परिणाम है जो हमने इन आदान-प्रदानों में सुना है। हम उन सभी संगठनों के अत्यंत आभारी हैं जिन्होंने इसमें भाग लिया और जिन्होंने अपनी

परियोजनाओं के बारे में हमारे साथ और एक-दूसरे के साथ खुलकर, ईमानदारी से और बहुत अच्छी तरह से अपने विचार व्यक्त किए।

ग्लोबल नैरेटिव हाइव के बारे में अधिक जानने के लिए, हमारे किसी वर्चुअल सत्र में शामिल होने के लिए या बस बात करने के लिए, कृपया हमें narratives@global-dialogue.org पर ईमेल करें या हमारे ब्लॉग https://medium.com/global-hive की मुलाकात लें।

Common Cause वर्चुअल लर्निंग स्पेस रिपोर्ट

Common Cause परियोजना ने नौ संगठनों की (स्वदेशी आंदोलन केंद्रित हब़ नॉलेज की एक परियोजना ऑनरिंग आवर गार्जियंस; अर्जेंटीना में LatFem; बोस्निया और हर्जेगोविना में Udruženje za kulturu, afirmaciju i savjetovanje ‘’KAS’’ Banja Luka ; ब्राजील में Rede Transfeminista de Cuidados Digitais; कनाडा और फ्रैंकोफोन अफ्रीका में Égides; कोलंबिया में Mutante; MENA क्षेत्र में HuMENA; सहित) उनके संदर्भों में अधिकार-विरोधी आख्यानों का सामना करने के लिए आख्यानात्मक बुनियादी ढांचे के निर्माण हेतु विभिन्न रणनीतियों पर प्रयोग करने में सहायता की।

जुलाई और सितम्बर 2024 में, उन नौ संगठनों में से आठ संगठन अपने द्वारा किए गए कार्यों पर विचार करने, अनुभव और सीख साझा करने के लिए एक साथ आए। यह दो 3 घंटे लंबे आभास सत्रों के माध्यम से हुआ, जैसा कि नीचे बताया गया है:

पहला सत्र जुलाई 29, 2024	के सदस्यों ने भाग लिया ● LatFem (अर्जेंटीना) ● Mutante (कोलंबिया) ● Udruženje za kulturu, afirmaciju i savjetovanje ‘’KAS’’ Banja Luka (Bosnia and Herzegovina) ● किसका ज्ञान? (हमारे संरक्षकों का सम्मान)
दूसरा सत्र सितंबर 11, 2024	के सदस्यों ने भाग लिया: ● Rede Transfeminista de Cuidados Digitais (ब्राज़ील) ● Égides (कनाडा, फ्रैंकोफोन अफ्रीका)

चर्चा हेतु विषयों का चयन प्रतिभागियों द्वारा स्वयं सत्र से पहले प्रसारित एक सर्वेक्षण के माध्यम से किया गया था। इस संक्षिप्त रिपोर्ट में हम प्रतिभागियों द्वारा साझा की गई कुछ सीखों और विचारों को प्रस्तुत करेंगे।

टिप्पणी: प्रतिभागियों द्वारा उद्धरणों को उद्धृत किया गया है। बाकी सब कुछ हमने सत्र से लिए गए नोट्स और रिकॉर्डिंग के आधार पर स्वयं ही विस्तारपूर्वक लिखा है। इस रिपोर्ट का पहला मसौदा प्रतिभागियों के साथ साझा किया गया है, जिन्हें इसमें टिप्पणियां और संपादन के लिए सुझाव जोड़ने का अवसर मिला।

कुछ सीख और विचार साझा किए गए

एक विषय जिसने बहुत रुचि आकर्षित की, वह था इस बात पर चर्चा कि अधिकार-विरोधी आख्यान क्यों/कब काम करते हैं और क्यों नहीं करते। फैसिलिटेटर्स ने उदाहरण साझा करके इस चर्चा की शुरुआत की (यूरोप में लोकप्रिय प्रवासी-विरोधी आख्यान और इसके विपरीत, 2022 में उरुग्वे में लिंग पहचान कानून को निरस्त करने का असफल अभियान)।

सफल अधिकार-विरोधी आख्यान	असफल अधिकार-विरोधी आख्यान
लोगों के डर का फायदा उठाएँ: दूसरे का, बदलाव का	जब लोगों को दूसरों के बारे में पर्याप्त प्रत्यक्ष अनुभव हो जाता है, जब वे उन दूसरों के साथ संबंध बना सकते हैं, तो वे भय के आख्यानों के प्रति कम सुग्राही होते हैं। अंतरविषयक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए, ऐसे लोगों को एक साथ लाने के लिए जो सामान्यतः एक दूसरे से बात भी नहीं करते, जो दूसरों के भय पर आधारित आख्यानों का मुकाबला करने में मदद करता है।
आर्थिक, राजनीतिक या अन्य संकट के दौरान लोगों की असुरक्षा की भावना का लाभ उठाना	कुछ लोग वास्तव में उन मुद्दों को समझने के लिए उत्सुक होते हैं जिनके बारे में वे ज्यादा नहीं जानते और वे हिंसक और बंद संवाद वाले विमर्शों में सहज महसूस नहीं करते।
लोगों को दूसरों से श्रेष्ठ महसूस करने की आवश्यकता को पूरा करना	वैकल्पिक आख्यान उपलब्ध होना अपने आप में पर्याप्त नहीं हो सकता है, लेकिन यह कुछ लोगों को उनके द्वारा सुने गए अधिकार-विरोधी विमर्श के बारे में दोबारा सोचने में मदद कर सकता है।
लोकतंत्र के प्रति लोगों के असंतोष और असमानताओं को पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं किए जाने से लाभ उठाएं। उन्हें विदेशी व्यक्तिवादी, नवउदारवादी आख्यान में शामिल किया गया है	जब अधिकार-विरोधी आख्यान विनाश और निराशा पर बहुत अधिक निर्भर हो जाते हैं, तो वे प्रतिकूल परिणाम दे सकते हैं। सशक्तिकरण की आशा-आधारित कहानियां इनका मुकाबला करने में कारगर साबित हो सकती हैं।
उपनिवेशवाद विरोधी आख्यानों को साधन बनाना: “व्यक्ति नया उपनिवेश है और परिवार अंतिम किला है”	

जब प्रतिभागियों से पूछा गया कि समग्र रूप से Common Cause परियोजना कथात्मक शक्ति के साथ प्रयोग के मूल्य के बारे में क्या दर्शाती है, तो प्रतिभागियों ने उत्तर दिया:

- "हमने एक-दूसरे को समझाने की काफी कोशिश कर ली है; अब एक-दूसरे को जानने का समय आ गया है"
- "ऐसी बहुत कम जगह हैं जो इस तरह के एक साथ आने का समर्थन करती हैं और 'संघर्ष में' ऐसे बहुत कम समय होते हैं जब हमारे पास दूसरों के साथ समुदाय में ऐसा करने के लिए समय और स्थान होता है: सामूहिक शक्ति का निर्माण"
- "यह आवश्यक है कि हम हानिकारक आख्यानों से स्वयं का बचाव करने के बजाय अपनी कहानियों वापस प्राप्त प्राप्त करें।"

विफलता कार्यशाला

सत्रों से पहले हुए सर्वेक्षण में हमने प्रतिभागियों से पूछा कि क्या वे किसी ऐसी बात पर चर्चा करने में रुचि रखते हैं जो उनके कार्य के दौरान विफल हो गई हो, ताकि उससे कुछ सीखा जा सके। अधिकांश प्रतिभागियों ने स्वेच्छा से ऐसा किया और हमने प्रत्येक सत्र के लिए एक विशिष्ट अनुभव का चयन किया जिसे शामिल कार्यकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत किया गया और फिर पूरे समूह द्वारा उस पर चर्चा की गई। एक सुरक्षित और खुला माहौल बनाने में मदद करने के लिए, हमने हाइव की एक विफलता को साझा करके इस क्षण की शुरुआत की।

आयोजित चर्चा से कुछ निष्कर्ष:

- **लोकतंत्र की पवित्र गायों को चुनौती देना:** कथात्मक परिवर्तन कार्य की आवश्यकता है जो अधिकार-विरोधी कथाओं का सामना करे और कार्यकर्ताओं को उन धारणाओं की असुविधाजनक सीमाओं का सामना करने के लिए मजबूर करे जो मुख्यधारा की पत्रकारिता/मानवाधिकारों के लिए बहुत प्रिय हैं, जैसे "तटस्थता" या "अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता"। कार्यकर्ताओं ने हाशिए पर पड़े समुदायों के हिस्से के रूप में अपने अनुभवों और अपने सामने आने वाले विरोधियों के प्रकाश में इन धारणाओं को खोलना और उन पर पुनर्विचार करना शुरू कर दिया है।

- **सामुदायिक समय को दानदाताओं के दायरे में फिट करने का प्रयास:** अभी भी वित्त पोषित किए जाने वाले मुख्यधारा मॉडल (अल्पकालिक, वास्तविक गतिविधियां, आसानी से प्रचारित परिणाम) और समुदायों एवं आंदोलनों के संचालन के तरीकों के बीच एक विसंगति है। कुछ असफलताएं इन दो भिन्न तर्कों के बीच सामंजस्य स्थापित करने के प्रयास से पैदा होती हैं - फ़ंडर्स के साथ अधिक संवाद तथा वास्तविक, दीर्घकालिक परिणामों के लिए उनकी भागीदारी में अधिक लचीलापन।

- **निराशा के साथ रहना:** “हम हमेशा अपनी गलतियों/चुनौतियों को सीखने के अवसर के रूप में देखते हैं। हम अपनी हताशा से इनकार नहीं कर सकते, लेकिन उन्हें सुधार की एक प्रक्रिया के रूप में देखने की कोशिश करें। निराशा को गले लगाना और उसके साथ रहना, बिना तुरंत "इसे सकारात्मक बनाने" में कूद पड़ने से, असफलता की प्रक्रिया से सीखने को अधिक वास्तविक बनाने में मदद मिल सकती है।

दोनों मामलों में ये चर्चाएं बहुत सम्मानजनक और समृद्ध थीं। प्रदान की गई और व्यापक रूप से साझा की गई प्रतिक्रिया का एक उदाहरण:

⇒ "इस विफलता कैफे को आपके साथ साझा करने की संभावना अद्भुत है, हम यहां अपनी यात्रा साझा करने में बहुत सुरक्षित महसूस करते हैं"।

सत्र के समापन पर हमने प्रतिभागियों से पूछा कि **किए गए कार्य पर उन्हें किस बात पर गर्व है।** उन्होंने जो कहा वह इस प्रकार है:

- **समुदाय बनाना:** "नारीवादियों की नई पीढ़ी के लिए एक सक्रिय और सशक्त केंद्र"; "व्हाट्सएप पर गैर-कार्यकर्ता महिलाओं का एक समुदाय जो लोकतंत्र समर्थक और कट्टरपंथी दक्षिणपंथ विरोधी सामग्री साझा करता है"; "कमजोरियों को साझा करने के लिए एक सुरक्षित स्थान"; "प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण का लाभ उठाया और स्थानीय स्तर पर अपनी परियोजनाएं विकसित कीं"
- **नये रास्ते खोलना:** "सार्वजनिक और कार्यकर्ता स्थानों में बातचीत लाना", "अंतर-पीढ़ीगत होने से हमारी बातचीत नई दिशाओं में बढ़ गई"; "हम जो आख्यान सामूहिक रूप से बनाते हैं, वे आशा फैलाते हैं और निराशा को आशा में बदल देते हैं"
- **अनुकूलनशीलता: "**हम और परियोजना में भाग लेने वाले लोग किस तरह से अनुकूलन करने और आगे आने में सक्षम हुए; "हमने तमाम कठिनाइयों के बावजूद एक रास्ता खोज लिया"

"सभी प्रतिभागी अब अपने क्षेत्रों में फैसिलिटेटर्स बन गए हैं और उन्होंने जो सीखा था उसे व्यवहार में भी लाए हैं, लेकिन अपने स्वयं के आख्यानों के साथ, सब कुछ पुनर्व्यवस्थित करके और कुछ नया बनाकर"

भाग लेने वाले 9 संगठनों के साथ इन समृद्ध, ईमानदार और रचनात्मक चर्चाओं के आधार पर, हमने कार्यकर्ताओं और वित्तपोषकों से सीखने और आत्मसात करने के लिए 5 प्रमुख सबक निकाले हैं। हम आशा करते हैं कि ये पाठकों को कथात्मक परिवर्तन के क्षेत्र में अपने व्यवहार और संगठन पर चिंतन के बिन्दु प्रदान करेंगे, जिससे हम अपने आंदोलनों का प्रभावी ढंग से समर्थन कर सकेंगे और अधिकार-विरोधी आंदोलनों का सामना करने तथा न्याय और मुक्ति की दृष्टि से विश्व का निर्माण करने में अपने साधनों को और अधिक प्रखर बना सकेंगे।

कार्यकर्ताओं से **5** प्रमुख सबक
Common Cause वर्चुअल लर्निंग स्पेस

1. **अपने दुश्मन को जानो**
   अधिकार विरोधी आंदोलन और कार्यकर्ता बेशर्म, अनैतिक हैं और उनमें कोई नैतिक संयम नहीं है। उनके साथ व्यवहार करते समय, सबसे खराब स्थिति के लिए योजना बनाएं और कल्पना करें, किसी समझौते पर भरोसा न करें। वे कौन हैं, इस बारे में यथार्थवादी होने का मतलब यह नहीं है कि आप उनके जैसा व्यवहार करेंगे, बल्कि इसका मतलब यह है कि आप प्रभावी रहते हुए स्वयं और अपने समुदाय की बेहतर सुरक्षा कर सकेंगे। उनके बारे में रोमांटिक सोच न रखें या यह न सोचें कि उन्हें सिर्फ तथ्यों से अवगत करा देने से या उनके साथ सहानुभूतिपूर्ण और सम्मानजनक व्यवहार करने से उनमें बदलाव आ सकता है। याद

रखें कि चरमपंथियों से बातचीत करना कभी-कभी उल्टा भी पड़ सकता है और उन्हें अपने संदेशों के लिए और भी बड़ा मंच मिल सकता है।

"हमने जो कार्यप्रणाली बनाई थी, उसके सुंदर आयामों के प्रति हम इतने आश्वस्त थे कि हमने खुद को प्रतिक्रिया के लिए तैयार नहीं किया।"

2. **अपने फंडर को जानें (और उससे डरें नहीं)**

यह मत समझिए कि यदि संदर्भ बदल जाए तो आपका फंडर इसे नहीं समझेगा या कार्य के क्रियान्वयन के कुछ समय बाद आपको यह एहसास होगा कि आपको अपनी गतिविधियों को रद्द, संशोधित या स्थगित करना होगा। अपने फंडर से बात करें - आखिरकार वे भी इंसान हैं और उनमें से कुछ तो कार्यकर्ता भी हैं!

3. **अपने समुदाय को जानें (और उस पर भरोसा करें)**

अपनी परियोजना बनाने से पहले जांच लें कि क्या आपके समुदाय में इसका हिस्सा बनने के लिए पर्याप्त रुचि और उपलब्धता है; इससे भी बेहतर: अपनी परियोजना उनके साथ मिलकर बनाएं, न कि केवल इस बात पर कि आपके संगठन को क्या चाहिए/करना है, या क्या कहीं और सफलतापूर्वक किया गया है। और यदि वे आपसे कहें कि नहीं/नहीं ही बेहतर है, तो उन पर विश्वास करें - वे जानते हैं।

"मुझे इस बात पर गर्व है कि मैं अलग-अलग लोगों को जोड़ने की शक्ति में विश्वास करता हूं। मैं 'फिल्टर बबल्स' को तोड़ता रहूंगा ताकि हम एक विविधतापूर्ण और प्रेमपूर्ण विश्व का निर्माण कर सकें।"

4. **हमेशा एक प्लान बी रखें (और उसके लिए बजट भी रखें)**

ग्लोबल साउथ के कार्यकर्ता ऐसे परिवेश में काम करते हैं जहां अप्रत्याशित घटनाएं हमेशा सामने आती रहती हैं - इसमें बिजली कटौती से लेकर हिंसा भड़कना या पर्यावरणीय आपदाएं शामिल हैं। कोई भी चीज़ विफल हो सकती है या अप्रासंगिक हो सकती है। वैकल्पिक स्थानों, गतिविधियों, चैनलों के लिए योजना बनाएं और बजट बनाएं (और इसके बारे में अपने फंडर से बात करें)।

"प्रयोग करने में मूल्य है। समस्याओं का समाधान खोजने का एकमात्र तरीका - उन लोगों के लिए जिनके पास स्थापित सूत्र नहीं हैं - एक परिकल्पना को परिभाषित करना और असफलता के डर के बिना उसका प्रयास करना है। विफलता में ऐसी जानकारी शामिल है जो परिकल्पना को समायोजित करने में मदद करती है।

5. **हिम्मत करो, और फिर हिम्मत करो**

उन पुराने रास्तों को भूल जाइए, जो हमेशा से किए जाते रहे हैं; उन बातों को भूल जाइए जिनके बारे में आप जानते हैं कि वे काम नहीं करतीं, लेकिन दानदाताओं के पक्ष में लगती हैं: शब्दजाल को एक तरफ रख दीजिए। अपने आप से पूछें "क्यों नहीं?" । साहस करो, और फिर साहस करो, और अधिक साहस करो। जाँच करें कि आप कितना रक्षात्मक कार्य कर रहे हैं, तथा कितना अपने स्वयं के संदेश को आकार दे रहे हैं और कितना सामने रख रहे हैं - यदि आवश्यक हो, तो अनुपात को परिवर्तित करके बाद वाले पर केन्द्रित करें!

"क्योंकि परिवर्तन की ओर पहला कदम सपने देखने और दूसरी दुनिया की कल्पना करने की क्षमता को न खोना है"

Common Cause वर्चुअल लर्निंग स्पेस

1. **अनुदान प्राप्तकर्ताओं को आपको जानने और आप पर भरोसा करने में सहायता करें**
   अधिकतर मामलों में, जीवन किसी रणनीतिक/वार्षिक योजना के ढांचे के भीतर नहीं चलता। जितना संभव हो सके, लचीले रहें और विश्वास रखें कि आपके अनुदान प्राप्तकर्ता अपने संदर्भ, समुदाय और क्षमताओं को सबसे अच्छी तरह जानते हैं। ऐसे कई वैध कारण हैं जिनके कारण अनुदान प्राप्तकर्ताओं को गतिविधियों को संशोधित, रद्द या स्थगित करने की आवश्यकता हो सकती है। उन्हें यह जानने की जरूरत है कि वे इस विषय पर आपसे बात कर सकते हैं और आप उनकी बात सुनने के लिए तैयार हैं। वे यह नहीं मानेंगे, आपको विश्वास बनाने के लिए इसे स्पष्ट करने की आवश्यकता है। आपका लचीलापन उन्हें अपने समुदायों के प्रति बेहतर प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाएगा।

   > *"असफलता के प्रति खुलापन भय, चिंता और थकान को कम करता है। हम ऐसे समय में रह रहे हैं जहां 'हासिल करो और सफल बनो' का नवउदारवादी आदेश प्रचलित है।* हमारी बहुत सी बर्नआउट की स्थिति तब आती है जब हम खुद को उन चीजों के साथ ठीक नहीं होने देते जो काम नहीं कर रही हैं*"*

2. **प्रश्न पूछें (यहां तक कि कठिन प्रश्न भी)**
   कई फ़ंडर "हस्तक्षेप" करने के लिए अनिच्छुक होते हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए कि अनुदान प्राप्तकर्ता स्वयं को विफलता के लिए तैयार नहीं करेंगे, सूचित प्रश्न पूछना मददगार हो सकता है। अगले बिंदुओं में कुछ ऐसे क्षेत्रों के उदाहरण दिए गए हैं जिनके बारे में आप निर्भय रूप से पूछ सकते हैं। अनुदान प्राप्तकर्ता स्वयं से यही प्रश्न पूछ रहे होंगे और आपके साथ उन पर चर्चा करना उपयोगी हो सकता है।

   > *"ध्रुवीकृत वार्तालाप को बदलने के लिए सम्मान और सहानुभूति पर्याप्त क्यों नहीं हैं?"*

3. **समझें कि आप किस चीज़ को फंड कर रहे हैं**
   प्रत्येक संदर्भ और प्रत्येक अनुदान प्राप्तकर्ता अद्वितीय हैं। परियोजनाओं का अपना तर्क होता है - उन्हें एक पहले से तैयार मॉडल (लंबाई, गतिविधियों का प्रवाह, 'परिणाम') में फिट करने के लिए मजबूर करना कार्यकर्ताओं के लिए अनावश्यक तनाव पैदा करता है और कृत्रिम, अप्रभावी गतिविधियों को जन्म दे सकता है। आइए हम इसे एक बार फिर कहें: आंदोलनों/समूहों को दीर्घावधि में समर्थन दें, उनके साथ बढ़ने और सीखने के लिए प्रतिबद्ध रहें तथा उनके विकास में सहयोग करें। परिवर्तन में वर्षों/दशकों का समय लग सकता है, न कि केवल अनुदान की अवधि का।

   > "मैं फ़ंडर्स से ये शब्द कहूंगा: हम एक साथ आ सकते हैं, साझा कर सकते हैं, सपने देख सकते हैं, दृष्टि बना सकते हैं, रणनीति बना सकते हैं। जब हमारे पास दूसरों के साथ मिलकर सब कुछ करने के लिए समय और स्थान होता है, तो उसमें शक्ति और जादू उत्पन्न होता है।

4. **कृपया दुश्मन को कम न आंकें**
   अधिकार विरोधी लोग बेशर्म, अनैतिक होते हैं और उनमें कोई नैतिक संयम नहीं होता। अनुदान प्राप्तकर्ता तो बहादुरी से उनका सामना करते हैं, लेकिन उच्च सिद्धांतवादी कार्यकर्ताओं के लिए उनके लिए बिछाए गए जाल की कल्पना करना भी कठिन होता है। उनसे कठिन प्रश्न पूछें जिससे उन्हें अपने शत्रुओं का आकलन करने तथा स्वयं की रक्षा करने में सहायता मिल सके। अनुदान प्राप्तकर्ताओं को भुगतान और अन्य प्रकार की

सहायता प्राप्त करने के लिए समर्थन और लचीलापन प्रदान करना, अर्थात डिजिटल सुरक्षा से जुड़े संचार चैनलों का उपयोग करना।

> *"लिंग-विरोधी, नारी-विरोधी, नस्लवादी, पर्यावरण-विरोधी अधिकार सभी एक व्यापक आख्यान के भीतर हैं जो नवउदारवादी और व्यक्तिवादी है। वे किसी अनिवार्य घृणा से पैदा नहीं हुए हैं, बल्कि लोकतंत्र और असमानताओं के प्रबंधन के तरीके के प्रति गहरे असंतोष से पैदा हुए हैं। ये पागलपन भरी, तर्कहीन कहानियां नहीं हैं - इनमें सच्चाई का अंश छिपा है और इसीलिए ये कामयाब हैं।"*

5. अनुदान प्राप्तकर्ताओं का अधिक आकलन न करें
   अक्सर अनुदान प्राप्तकर्ता फ़ंडर की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए स्वयं को अधिक आंकने का दबाव महसूस करते हैं। इसलिए, यदि किसी परियोजना में मानव से अधिक कार्य घंटे, उपलब्धियां या लक्ष्य शामिल हैं, तो कृपया कठिन प्रश्न पूछें और अनुदान प्राप्तकर्ताओं को बताएं कि उन्हें वित्त पोषण के लिए अतिमानव होने की आवश्यकता नहीं है। वे इसकी सराहना करेंगे! यदि आवश्यक हो तो अनुदान प्राप्तकर्ताओं को विस्तार मांगने और प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करें तथा इसे आसान और तीव्र प्रक्रिया बनाने में उनका समर्थन करें।

   > *"हमारे सपनों पर विश्वास करें और स्नेह के बुनियादी ढांचे के निर्माण में हमारा समर्थन करें"'।*